देहरादून,पौड़ी-गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित | www.page3news.in | नगर संस्करण वर्ष 14 अंक: 322 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

**विचार-प्रवाह...**
फील गुड इंफ्रास्ट्रक्चर

# पेज थ्री

देहरादून, बुधवार, 5 फरवरी 2020

मौसम अधिकतम 18.0° न्यूनतम 7.0°

39872.31 **2** मलयेशिया की तरफ पाक ने बढ़ाया हाथ **7** वर्ल्ड कप की प्रैक्टिस के लिए आईपीएल

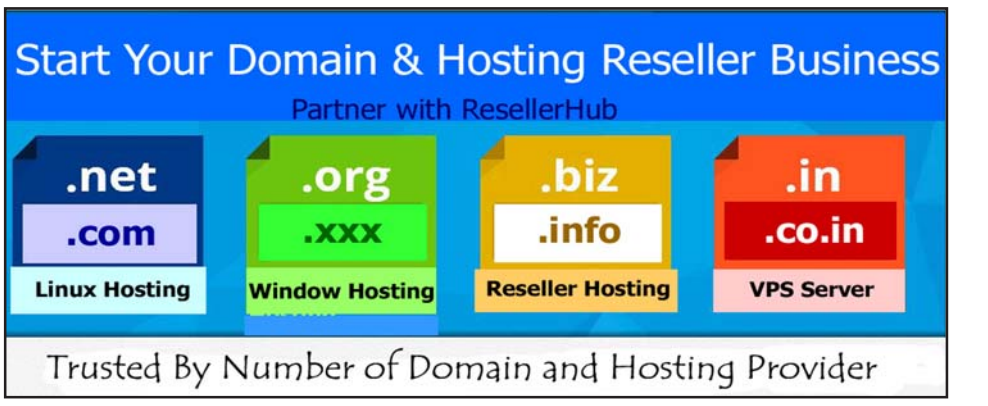


## आंगनबाड़ी महिलाओं का आंदोलन स्थगित

❑मेयर ने जूस पिलाकर अनशन खत्म करवाया
❑बहाल होगीं सभी बर्खास्त कार्यकत्रियां

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। दो माह से धरने प्रदर्शन पर डटी आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने आज मेयर सुनील उनियाल गामा और भाजपा महानगर अध्यक्ष सीताराम भट्ट के इस आश्वासन पर कि सरकार बर्खास्त की गयी सभी 275 कार्यकत्रियों की सेवाएं बहाल कर देगी तथा उनकी मांगों को लेकर एक माह में समिति बनायी जायेगी के बाद आंदोलनकारी महिलाओं ने अपना आंदोलन एक माह के लिए स्थगित कर दिया है।

उल्लेखनीय है कि बीते दो माह से यह आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां अपना मानदेय 18 हजार करने व सरकारी कर्मचारी घोषित करने जैसी प्रमुख मांगों को लेकर आंदोलन कर रही थी। लेकिन सरकार उनकी कोई बात सुनने को तैयार नहीं थी। बल्कि इसके विपरीत सरकार यह कहकर कि उनके आंदोलन के कारण अनेक जनहित की योजनाएं बाधित हो रही है तथा कई विभागों के काम ठप हो गये है। इसके चलते सरकार ने 275 महिलाओं को बर्खास्त कर दिया था।

इस आंदोलन को लेकर आज प्रीतम सिंह ने प्रतिनिधि मडंल के साथ सीएम त्रिवेन्द्र से मिलकर उनकी बात सुनने व बर्खास्तगी जैसी कार्यवाही न करने का अनुरोध किया था। इस मामले में आज आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों से भाजपा महानगर अध्यक्ष और मेयर सुनील उनियाल गामा ने भी उनसे बातचीत की और आंदोलन खत्म करने को कहा। उन्होने उन्हे भरोसा दिलाया कि सरकार उनकी मांगों पर गौर करेगी।

इस आश्वासन के बाद आंदोलन की अगुवाई कर रही रेखा ने बताया कि अभी आंदोलन स्थगित हुआ है, समाप्त नहीं। अगर सरकार ने एक माह में समिति नहीं बनायी और उनकी मांगों पर विचार नहीं किया तो वह फिर 10 मार्च से आंदोलन शुरू कर देंगी। मेयर सुनील उनियाल गामा ने अनशन पर बैठी महिलाओं को जूस पिलाकर उनका आंदोलन समाप्त करवाया।

## अब महिलाओं को व्हट्सएप पर मिलेगी तुरंत पुलिस सहायता

अपराध संवाददाता

देहरादून। महिलाओं और युवतियों की सुरक्षा को लेकर उत्तराखण्ड पुलिस ने एक और पुख्ता कदम उठाया है। अशोक कुमार, महानिदेशक, अपराध एवं कानून व्यवस्था, उत्तराखण्ड के निर्देशन में पुलिस मुख्यालय में स्थापित महिला सुरक्षा सेल में महिला व्हट्सएप हेल्पलाइन सेवा शुरू की गयी है।

डीजी अपराध एंव कानून व्यवस्था अशोक कुमार द्वारा बताया गया कि महिला व्हट्सएप हेल्पलाइन सेवा में महिलाए युवती व छात्राएं मोबाइल नम्बर 9411112780 पर व्हट्सएप के माध्यम से अपनी शिकायत दर्ज करा सकती हैं।

इस नम्बर पर कोई भी घटना और समस्या से संबंधित मैसेज (संदेश), फोटो या वीडियो व्हट्सएप के जरिए पुलिस मुख्यालय में स्थापित महिला सुरक्षा सेल को भेज सकती हैं। महिला सुरक्षा सेल में तैनात पुलिस अधिकारी व्हट्सएप पर आए संदेश पर पीड़ित महिला से संबंधित जनपद में जानकारी देगी, जिस पर जनपद के संबंधित थाने की ओर से अविलम्ब कार्यवाही की जाएगी। उन्होने बताया कि इस महिला व्हट्सएप हेल्प लाइन सेवा से महिलाएं और छात्राएं अपने साथ होने वाली छेड़छाड़ और घटना का वीडियो, फोटो और मैसेज पुलिस को भेज सकेंगी। विपरीत परिस्थिति में शिकायत नहीं देने पर सिर्फ मैसेज या वीडियो से भी पुलिस पीड़िता तक पहुंच जाएगी। कहा कि लोकलाज के चलते थाने नहीं जाने वाली पीड़ित महिलाओं को भी शिकायत देने में आसानी होगी।

## गांधी को गाली देने वाले रावण की औलादः अधीर रंजन चौधरी

नई दिल्ली। मंगलवार को लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने भाजपा की ओर इशारा करते हुए कहा कि ये रावण की औलाद हैं। चौधरी ने हाल में भाजपा सांसद के महात्मा गांधी पर दिए बयान को लेकर कहा, ये लोग गांधीजी को गोली देते हैं उनका अपमान करते हैं, गांधी राम के पुजारी थे और ये जो उनको गाली देते हैं, ये सब रावण की औलाद हैं।

केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी ने चौधरी के बयान पर एतराज जताते हुए कहा, भारतीय जनता पार्टी के लोग ही सही मायनों में महात्मा गांधी के रास्ते पर चल रहे हैं। कांग्रेस के लोग नकली गांधी, जैसे सोनिया गांधी और राहुल गांधी को मानते हैं, हम असली गांधी को मानते हैं। बता दें कि हाल ही में पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा सांसद अनंत कुमार हेगड़े ने महात्मा गांधी के आजादी के लिए संघर्ष को ड्रामा कहा है। उन्होंने कहा, भारत में ऐसे लोगों को महात्मा कैसे कहा जाता है, पूरे स्वतंत्रता आंदोलन को अंग्रेजों की सहमति और समर्थन के साथ स्टेज किया गया। इनमें से किसी भी तथाकथित नेता को पुलिस ने नहीं पीटा। इनका स्वतंत्रता आंदोलन एक बड़ा ड्रामा था। कांग्रेस का समर्थन करने वाले लोगों का कहना है कि भारत को भूख हड़ताल और सत्याग्रह की वजह से आजादी मिली है। यह सच नहीं है। अंग्रेजों सत्याग्रह की वजह से देश छोड़कर नहीं गए थे। इतिहास पढ़ने पर मेरा खून खौलता है, ऐसे लोग हमारे देश में महात्मा बन जाते हैं। **एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)**

## गृह मंत्रालय ने संसद में साफ कहा, एनआरसी को देशभर में लागू करने का फैसला अभी नहीं

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)**

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा है कि राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर यानी एनआरसी लागू करने को लेकर अभी कोई फैसला केंद्र की एनडीए सरकार ने नहीं किया है।

गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने एनआरसी को लेकर पूछे सवाल के जवाब में लोकसभा में अपने लिखित जवाब में ये बात कही है। उनकी ओर से कहा गया है कि अभी तक पूरे देश में एनआरसी कराने को लेकर ना कोई फैसला हुआ है और ना ही कोई तैयारी शुरू हुई है। संसद सदस्य चंदन सिंह और नमा नागेश्वर राव ने प्रश्न किया था कि क्या सरकार की पूरे देश में एनआरसी लाने जा रही है? गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने लिखित उत्तर में कहा, अभी तक एनआरसी को राष्ट्रीय स्तर पर तैयार करने का कोई निर्णय नहीं लिया गया है।

विदित हो कि संसद के बीते सत्र में सरकार नागिरकता कानून लेकर आई थी। तभी केंद्रीय गृह मंत्री ने देशभर में एनआरसी कराने की भी बात कही थी। शाह के इस बयान के बाद पूर्वोत्तर के कई राज्यों और देश के अन्य हिस्सों में हिंसक विरोध प्रदर्शन हुए थे। असम, त्रिपुरा और बंगाल में सबसे ज्यादा हिंसा हुई थी।

नागिरकता संशोधन कानून पास होने के बाद से ही देश में इसका भारी विरोध हो रहा है। एनआरसी को लेकर लगातार लोग सवाल कर रहे हैं। कुछ समय पहले एक चुनावी रैली में प्रधानमंत्री मोदी ने भी कहा था कि अभी तक एनआरसी को लेकर कोई बैठक नहीं हुई है। अब गृह मंत्रालय ने भी कहा है कि अभी इसकी तैयारी नहीं हुई है।

बजट सत्र का मौजूदा सत्र एनआरसी और सीएए को लेकर अब तक हंगामेदार रहा है। संसद में विपक्ष लगातार सीएए और एनआरसी पर विरोध दर्ज करा रहा है। सोमवार को कांग्रेस सदस्यों ने नारेबाजी की थी। उससे पहले राष्ट्रपति के अभिभाषण के दौरान भी कांग्रेस ने विरोध जताया था।